



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 11 मार्च, 2005/20 फाल्गुन, 1926

हिमाचल प्रदेश सरकार

परिवहन विभाग

अधिसूचना

शिमला-171002, 4 मार्च, 2005

संख्या टी० पी० टी० बी (2) 4/94-भाग-6.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना तारीख 2 मई, 1997 द्वारा अधिसूचित, हिमाचल प्रदेश, परिवहन विभाग, सहायक आयुक्त परिवहन (वर्ग-II, राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1997 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश परिवहन विभाग, सहायक आयुक्त परिवहन (वर्ग-II, राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति (प्रथम संशोधन) नियम, 2005 है।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. उपाबन्ध 'क' का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश, परिवहन विभाग, सहायक आयुक्त परिवहन (वर्ग-II, राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1997 के उपाबन्ध-“क” में, अर्थात:—

(क) स्तम्भ संख्या 4 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात:—

रूपये 6400-200-7000-220-8100-275-10390-340-10640.

(ख) स्तम्भ संख्या 6 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात:—

“18 वर्ष से 45 वर्ष के बीच में”

(ग) स्तम्भ संख्या-11 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात:—

“वरिष्ठ मोटर वाहन निरीक्षकों में से प्रोन्नति द्वारा जिनका 6 (छह) वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में कां गई लगातार तदर्थ सेवा, यदि कोई हो।

(1) प्रोन्नति के सभी मामलों में, पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिए, इस शर्त के अधीन रहते हुए गणना में ली जाएगी, कि सम्भरण प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को अपनाते के पश्चात् की गई थी :

परन्तु यह कि उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल सेवाकाल (तदर्थ आधार पर की गई सेवा सहित, जो नियमित सेवा/नियुक्ति के अन्तर्गत् में हो) के आधार पर उपर्युक्त निदिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किये जाने का पात्र हो जाता है, वहां अपने-अपने प्रवर्ग/पद/कांडर में उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किये जाने के पात्र समझे जाएंगे और विचार करते समय कनिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात्र समझे जाएंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्तियों से ऊपर रखे जाएंगे :

परन्तु उन सभी पदधारियों की, जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना है, कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती एवम् प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा इनमें से जो भी कम हो, होगी :

परन्तु यह और भी कि जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने सम्बन्धी विचार के लिए अपात्र हो जाता है, वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जाएगा/समझे जाएंगे।

स्थापना.—अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिए अपात्र नहीं समझा जाएगा/नमझे जाएंगे यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है जिसे डिमोबिलाईज्ड आर्मंड 'फोसिस परसोनल (रिजर्वेशन आफ वैंकन्सीज इन हिमाचल स्टेट नान टैक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1972 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो तथा इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों या जिसे एक्सा-सर्विसमैन (रिजर्वेशन आफ वैंकन्सीज इन दी हिमाचल प्रदेश टैक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1985 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो तथा इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गये हों।

(2) इसी प्रकार स्थाईकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद पर की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जाएगी, यदि ऐसे पद पर तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति उचित चयन के पश्चात् और भर्ती एवम् प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार की गई थी :

परन्तु यह कि उपर्युक्त निदिष्ट तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात् जो स्थाईकरण होगा उसके फलस्वरूप पारस्परिक बरीयता अपरिवर्तित रहेगी।

(घ) स्तम्भ संख्या-14 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“किसी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए अभ्यर्थी का भारत का नागरिक होना अनिवार्य है”।

(ङ) स्तम्भ संख्या-17 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“सेवा में प्रत्येक सदस्य को समय-समय पर यथा-संशोधित हिमाचल प्रदेश विभागीय परीक्षा नियम, 1977 में यथा विहित विभागीय परीक्षा पास करनी होगी।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-  
प्रधान सचिव।

[Authoritative English text of this Department notification No. TPT-B(2)4/94-Vol. VI, dated 4-3-2005 as required under clause(3) of article 348 of the constitution of India].

## TRANSPORT DEPARTMENT

### NOTIFICATION

Shimla-171 002, the 4th March 2005

No. TPT-B(2)4/94-Vol. VI.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh, in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission, is pleased to make the following Rules further to amend the Himachal Pradesh Assistant Commissioner Transport (Class-II, Gazetted) in the Transport Department Recruitment and Promotion Rules, 1997, notified vide this Department Notification of even number dated 2nd May, 1997, namely:—

1. *Short title and commencement.*—(1) These Rules may be called the Himachal Pradesh Transport Department, Assistant Commissioner Transport (Class-II, Gazetted) Recruitment and Promotion (First Amendment) Rules, 2005.

(2) These rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. *Amendment of Annexure ‘A’.*—In Annexure ‘A’ to the Himachal Pradesh Assistant Commissioner Transport Class-II (Gazetted) in the Transport Department Recruitment and Promotion Rules, 1997, namely:—

(a) For the existing provisions against column No. 4 the following, shall be substituted, namely:—

“Rs. 6400-200-7000-220-8100-275-10300-340-10640.”

(b) For the existing provisions against Column No. 6, the following shall be substituted, namely:—

“Between 18 years and 45 years”

- (c) For the existing provisions against Column No. 11, the following shall be substituted, namely :—

“By promotion from amongst Senior Motor Vehicles Inspectors who possess 6 years regular service or regular combined with *ad hoc* service if any, in the grade.

(1) In all cases of promotion, the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the condition that the *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the provisions of R & P Rules.

(i) Provided that in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his/her total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis followed by regular service/appointment) in the feeder post in view of the provisions referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration:

Provided further that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of at least three years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less :

Provided further that where a person become ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him/her shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

**Explanation.**—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be Ex-servicemen recruited under the provisions of Rule 3 of Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority thereunder or recruited under the provisions of Rule 3 of the Ex-servicemen (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

(2) Similarly, in all cases of confirmation continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post, if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service, if *ad hoc* appointment/promotion had been made after proper selection and in accordance with the provisions of the R. & P. Rules :

Provided that *inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account, *ad hoc* service rendered as referred to above shall remain unchanged.

- (d) for the existing provisions against column No. 14, the following shall be substituted, namely :—

“A candidate for appointment to any service or post must be a citizen of India.”

- (e) For the existing provisions against column No. 17, the following shall be substituted, namely :—

“Every member of the service shall have to pass a Departmental Examination as prescribed in the H. P. Departmental Examination Rules, 1997 as amended from time to time.”

By order,

Sd/-

Principal Secretary.